

Syllabus- Music

B.A Part I Examination-2017-18

	Duration	Marks
Paper I	3 hours	40
Paper II	3 hours	40
Practical		120

Paper-I

Section-A

- i) परिभाषाएँ:- नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, मुखडा, स्थायी, अन्तरा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, ताल, लय, मात्रा, सम, खाली, आवर्तन, ठेका, आलाप, तान, बोल-आलाप, बोल-तान, सरगम, तिहाई, मसीतखानी व रजाखानी गत।
प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-B

- i) हिन्दुस्तानी संगीत के महत्वपूर्ण एवम् आधारभूत नियम।
ii) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लेखन।
धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।

Section-C

- i) उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।
ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

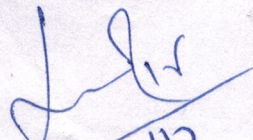
Paper-II

Section-A

- i) परिभाषाएँ- ग्राम, मूर्च्छना, राग लक्षण, नायक, गायक, कलावंत व गंधर्व, आदत, जिगर, हिसाब, गमक के प्रकार व तान।
ii) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर व पं. विष्णु नारायण भालखण्डे स्वरलिपि की विस्तृत जानकारी।

Section-B

- i) संगीतकारों की जीवनियाँ- जयदेव, शारंगदेव, स्वामी हरिदास, अमीर खुसरो, तानसेन, अहोबल व व्यंकटमखी।
ii) तेरहवीं शताब्दी से अठारहवीं शताब्दी के बीच संगीत में हुई प्रगति का सामान्य अध्ययन।


21/12/17


अकादमिक प्रभारी

Section-C

- i) निम्नलिखित वाद्यों का वर्णन:—
तानपुरा, तबला व सितार
- ii) निम्नलिखित नृत्यों का वर्णन:
कथक, भरतनाट्यम, कथकलि व मणिपुरी

प्रायोगिक

- (i) इस वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों के थाटों में से किन्हीं 10 अलंकारों का अभ्यास।
- (ii) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।
- (iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार—
भूपाली यमन, बागेश्री, अल्हैया बिलावल, केदार, हिंडोल, देस, हमीर, व भीमपलासी।
- (iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं चार रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप-तान सहित)
- (v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित या तराना।
- (vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं दो रागों में एक ध्रुपद (दुगुन, तिगुन, चौगुन) व एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित)
- (vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन धमार, तिलवाडा, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।
- (viii) पाठ्यक्रम की रागों में से सुगम शास्त्रीय रचनाएँ अथवा भजन।

28.5
21/11/17